

संपदा 2.0: एक पूर्णतया डिजिटल और सुरक्षित ई-रजिस्ट्री प्रणाली

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, मध्य प्रदेश भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने संपदा 2.0 नामक अत्याधुनिक ई-रजिस्ट्री प्रणाली शुरू की है, जिससे दस्तावेज़ पंजीकरण पूरी तरह से डिजिटल और सुरक्षित हो गया है।

प्रमुख बंदी

- **संपदा 2.0:**
 - संपदा 2.0 दस्तावेज़ पंजीकरण सॉफ्टवेयर और मोबाइल ऐप का नया संस्करण है।
 - मध्य प्रदेश दस्तावेज़ पंजीकरण प्रक्रिया को पूरी तरह से डिजिटल बनाने वाला पहला राज्य है।
 - यह प्रणाली पंजीकरण के लिये उप-पंजीयक कार्यालय जाने की आवश्यकता को समाप्त कर देती है, जिससे प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक और कागज़रहित हो जाती है।
- **आधार से जुड़ी सुरक्षा:**
 - दस्तावेज़ों और व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिये पूरी प्रणाली को **आधार** से जोड़ा गया है।
 - हस्ताक्षर के स्थान पर आधार से जुड़े मोबाइल नंबरों के माध्यम से OTP सत्यापन किया जाता है।
 - रजिस्ट्री लिक सहित सभी सूचनाएँ उपयोगकर्ताओं को व्हाट्सएप, ईमेल और आधार से जुड़े मोबाइल नंबरों के माध्यम से भेजी जाएंगी।
- **पंजीकरण के लिये तीन विकल्प:**
 - **वीडियो KYC:** पक्षकार वीडियो लिक का उपयोग करके घर से ही दस्तावेज़ों का पंजीकरण कर सकते हैं।
 - **सेवा प्रदाता के माध्यम से:** दस्तावेज़ों को पंजीकृत सेवा प्रदाता के माध्यम से पंजीकृत किया जा सकता है।
 - **उप-पंजीयक कार्यालय में:** पक्षकार पंजीकरण के लिये उप-पंजीयक कार्यालय में जाना चुन सकते हैं।
- **संपदा 2.0 की अनूठी विशेषताएँ:**
 - **जियो-टैगिंग:** **जियो-टैगिंग** का उपयोग करके संपत्तियों की पहचान की जाएगी और मूल्यांकन एवं स्टांप ड्यूटी वविरण स्वचालित रूप से प्राप्त किये जाएंगे।
 - **कागज़ रहित प्रक्रिया:** कोई भौतिक प्रतिलिपि प्रदान नहीं किया जाएगा। इसके बजाय, रजिस्ट्री को ईमेल और व्हाट्सएप के माध्यम से PDF फाइलों के रूप में भेजा जाएगा।
 - **गवाहों की आवश्यकता नहीं:** नई प्रणाली पंजीकरण के दौरान गवाहों की आवश्यकता को समाप्त कर देती है।
 - **वास्तविक समय डेटा एकीकरण:** संपत्ति वविरण के लिये विभिन्न विभागों (राजस्व, नगर नयोजन, नगर नगिम) से जानकारी स्वचालित रूप से प्राप्त की जाएगी।
 - **स्वचालित नामांतरण:** स्वचालित नाम परिवर्तन के लिये रजिस्ट्री डिजिटल रूप से भेजी जाएगी, जिससे परिवर्तन प्रक्रिया सरल हो जाएगी।